भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1451
उत्तर देने की तारीख 12 फरवरी, 2026

आपातकालीन चेतावनी

1451. श्री एस. कल्याणसुन्दरमः

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि तमिलनाडु के चक्रवात और बाढ़-प्रवण क्षेत्रों, विशेषकर तटीय और डेल्टा क्षेत्रों में दूरसंचार और प्रसारण अवसंरचना की संवेदनशीलता के कारण हाल ही में आपदाओं के दौरान आपातकालीन चेतावनी के प्रसारण को बाधित किया है

(ख) राज्य में संचार और प्रसारण अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए आपदा जोखिम एवं तन्यकता आकलन रूपरेखा (डीआरआरएएफ) के अंतर्गत प्रदान की गई केंद्रीय सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सेल ब्रॉडकास्ट (सचेत) और बहु-जोखिम पूर्व चेतावनी प्रणालियों को अंतिम छोर के सार्वजनिक संचार नेटवर्कों के साथ एकीकृत करने के लिए निधि का आवंटन किया गया है; और

(घ) चक्रवात और अत्यधिक वर्षा की घटनाओं के दौरान आपातकालीन चेतावनी और टिकाऊ और निर्बाध सार्वजनिक सूचना प्रणालियां सुनिश्चित करने के लिए कौन से कदम प्रस्तावित हैं?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) सरकार इस बात से अवगत है कि तमिलनाडु के चक्रवात और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों, विशेषकर तटीय और डेल्टा क्षेत्रों में विषम मौसमी परिस्थितियों के दौरान दूरसंचार और प्रसारण अवसंरचना के बाधित होने की आशंका रहती है। हालांकि, तमिलनाडु में हाल ही में आए चक्रवात और बाढ़ की घटनाओं के दौरान, कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (सीएपी) आधारित सचेत सिस्टम का उपयोग जनता को आपातकालीन चेतावनी प्रसारित करने के लिए सफलतापूर्वक किया गया था।

(ख) तमिलनाडु राज्य में संचार अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए दिनांक 31.12.2025 तक डिजिटल भारत निधि (डीबीएन) स्कीमों के माध्यम से भारतनेट और अन्य मोबाइल परियोजनाओं के तहत 1,883.00 करोड़ रुपये की कुल केंद्रीय सहायता प्रदान की गई है।

(ग) जी हां, ग्रह मंत्रालय (एमएचए) ने पैन इंडिया सेल ब्रॉडकास्ट सॉल्यूशन को लागू करने के लिए 99.82 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है।

(घ) चक्रवातों और अत्यधिक वर्षा की घटनाओं के दौरान आपातकालीन चेतावनियों का निर्बाध प्रसारण सुनिश्चित करने और अनुकूल सार्वजनिक सूचना प्रणालियों को मजबूत बनाने के लिए कई उपाय किए गए हैं। प्रचालन तत्परता और प्रणाली की अनुकूलता सुनिश्चित करने के लिए, संबंधित हितधारकों के समन्वय से, सी-डॉट द्वारा सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सहित आपातकालीन चेतावनी तंत्रों का आवधिक परीक्षण किया जाता है। इसके अलावा, सीएपी-आधारित सचेत प्रणाली के लिए प्राथमिक डेटा सेंटर (डीसी) के अतिरिक्त भौगोलिक रूप से रिडंडेंट आपदा रिकवरी (डीआर) प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं, जो प्रणाली की विफलता या आपदा की स्थिति में प्रचालन की निरंतरता सुनिश्चित करती हैं। चेतावनी प्रसार में विश्वसनीयता और रिडंडेंसी बढ़ाने के लिए, दूरसंचार नेटवर्क के माध्यम से स्थान-आधारित एसएमएस, उपग्रह-आधारित प्रसारण और सचेत मोबाइल एप्लिकेशन, सार्वजनिक वेब पोर्टल और ब्राउज़र-आधारित नोटिफिकेशन जैसे इंटरनेट-आधारित प्लेटफॉर्मों सहित कई संचार चैनलों को एकीकृत किया गया है।

****